XII . सहायिकी कार्यकमों के निष्पादन की रीति, जिसमें आवंटित धनराशी कार्यकमों तथा लाभग्राहियों का व्यौरा भी शामिल है :–

कमांक	विकास योजना	विवरण
क	स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना	शहरी गरीब महिलाओं के सर्वांगीण विकास का कार्यक्रम है।
1	योजना की अवधि	केन्द्र प्रवर्तित यह योजना 1 दिसम्बर 1997 से आरंभ की गयी है।
2	योजना का उदेद्दय	इस योजना के अन्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारो का चिन्हिकरण, इन्हे संगठित करने तथा इन्हें रोजगार से जोड़ने के प्रयास शामिल है।
3	योजना की प्रबन्ध व्यवस्था	इसे मुख्यतः दो घटक में बांटा जा सकता है। शहरी स्वरोजगार कार्यक्रम शहरी मजदूरी रोजगार कार्यक्रम
		1– शहरी स्वरोजगार कार्यक्रम यह लाभार्थी को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करता है और इसके लिए निम्नलिखित सुविधायें भी उपलब्ध कराता है। **(अ) स्वरोजगार हेतु ऋण व अनुदान** – युवा बेरोजगारो को अपने स्वयं के व्यवसाय की स्थापना हेतु अधिकतम 50 हजार रूपये तक की परियोजना लागत के अनुसार 15 प्रतिशत अनुदान, 5 प्रतिशत मार्जन (Marginal) मनी के रूप में लाभार्थी का योगदान तथा शेष राशि ऋण के रूप में बैंक द्वारा उपलब्ध करायी जाती है। – महिलाओं को 30 प्रतिशत विकलांगों को 3 प्रतिशत तथ अनुसूचित जाति/जनताति को उनकी जनसंख्या के अनुपात लाभान्वित करने को प्रावधान है।